''असहयोग आन्दोलन और बिहार (1920–22 ई०)''

डॉ॰ रंजन कुमार वर्मा

भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन के इतिहास में बिहार का अपूर्व योगदान रहा है। 1 अप्रैल, 1912 ई॰ को जब बिहार बंगाल से अलग एक प्रांत बना तब से लेकर 1947 ई॰ में भारत की स्वतंत्रता प्राप्ति तक बिहार के लोगों ने आजादी की हर लड़ाई में भारत के अन्य प्रांतों की अपेक्षा बढ़–चढ़कर अपनी भागीदारी निभाई थी। बिहार ने प्रारंभ से ही रूढ़िवादिता एवं शोषण के खिलाफ संघर्ष किया। आधुनिक काल में भी ब्रिटिश साम्राज्यवादी एवं शोषणकारी नीतियों का विरोध करने में बिहार ने अपनी महती भूमिका अदा की। राष्ट्रीय आन्दोलन के दरम्यान चाहे वह असहयोग आन्दोलन हो, सविनय अवज्ञा आन्दोलन चाहे फिर भारत छोड़ो आन्दोलन बिहार के लोगों ने इसमें अपूर्व उत्साह के साथ भाग लेकर देशवासियों के समक्ष अपनी अमिट छाप छोड़ी तथा देश को दिशा देने का काम किया था।